



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कैसरी.....

दिनांक ।।.५.२०२।....पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....२८.....

‘कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रो. काम्बोज’

‘कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति’ विषय पर काऊंसिलिंग सत्र आयोजित

हिसार, 10 मई (पंकेस) : कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना हांगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सुकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर काऊंसिलिंग एवं प्लैस्टमैट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काऊंसिलिंग सत्र में बताए मुख्यातिथि बोल रहे थे।

सत्र का मुख्य विषय ‘कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति’ रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के



काऊंसिलिंग सत्र के दौरान संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज एवं अन्य।

समय में मनुष्यों में तनाव, ऊसी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए

बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक

केवल एक प्रतिशत योगी ही होते हैं

गंभीर : डॉ. नरेंद्र गुप्ता

कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बताए मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर सेगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खान-पान का विशेष ध्यान, योग, मैडिटेशन, परिजनों से बीड़ियो-आौड़ियो कॉल करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक खबरें नहीं देखनी चाहिए। हालांकि सकारात्मक समाचार जैसे ऑफसीजन की उपलब्धता, नई दवाई की खोज, बैड की उपलब्धता, किसी व्यक्ति द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास अति की जानकारी जरूरी है जिससे उसका हौसला बना रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागध्यक्ष, कर्मचारी व विद्यार्थी जुड़े हुए थे।

एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम हैं। अफवाहों पर बिलकुल ध्यान न दें। से संपर्क बनाए रखें और उनकी हौसला साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल-अफजाई करते रहना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... तज्ज्ञा ला.....

दिनांक ११.५.२०२१ पृष्ठ संख्या ३ कॉलम ५-६

शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रो. कांबोज

माई स्टी स्पोर्टर

हिसार। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचारविमर्श कर मन को सुकून दे सकते हैं और शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता

एचएयू में कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति विषय पर काउंसिलिंग सत्र आयोजित



एचएयू में काउंसिलिंग सत्र के दौरान संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. बीआर कांबोज एवं अन्य।

केवल एक प्रतिशत ही गंभीर रोगी : डॉ. नरेंद्र गुप्ता

कार्यक्रम में मोनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। मानसिक रूप से कमज़ोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

वैक्सीनेशन का कार्य जारी है। इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया। समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....लैन कॉलेज.....

दिनांक ११.५.२०२१...पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....७-८.....

शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रो बीआर कांबोज
हिसार : महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सफून दे सकते हैं। शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसलिंग एवं प्लास्टमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बताएं मुख्यतिथि बोल रहे थे। डीआरडीओ के वैज्ञानिक पर हमें गर्व कुलपति ने डा. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है। इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर विरिष्ट विकित्सा अधिकारी डा. प्रीति मतिक ने सभी का स्वागत किया। छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यतिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 11.5.2021 पृष्ठ संख्या.....2..... कॉलम.....7-8.....

कोरोना से बचाव को शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : वीसी

हिसार | कोरोना जैसी वैशिक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सुकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे।

वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसिलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिड़चिड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट सगे-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दबाई को विकसित किया है। कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने भी विचार रखे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पांच बजे न्यूज

दिनांक
09.05.2021

पृष्ठ संख्या

कॉलम

-

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रो. काम्होज

सांघ बड़ी खबर

हिसार। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में बचाव के लिए हमें साक्षात् हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बदलना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के माध्यमिक-वित्तीय कर्म में सहायता करते हैं। ये विचार चौधरी चरण विहार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्होज ने कहे। ये विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशकलय की ओर काउंसिलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बताए मुख्यतः विषय थें। सत्र का मुख्य विषय कोरोनाड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यतः विषय में कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में हमत्र, उदासी, व्यापित, निराशा एवं विरुद्धावधान उत्पन्न हो गया है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ जातजीवन करने के लिए भूमिका अद्वितीय होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा फरमान में असमर्थ होता है कि बुझना और समझना करने के लिए बुनियादी अवधारणाएँ होती हैं। इसलिए

हमें केवल व गर्जन सरकार की माझी हिटायतों का फरमान करते हुए मनुष्य, निकट समै-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर विलकृत ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल जानते हुए समझता फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनका हीमता अफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने डॉ. मुभीर चांदना की मरहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गंभीर हार्ष की घटा है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं। जिन्होंने इस समय कोरोना की दबाई बोलकर किया है। उन्होंने कहा कि एशिया में लगड़ार बैंकोनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों की जाता से जाता जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवधारणा पर बीरिढ़ निकॉकलसा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने माझी कर संबोधित किया जावाहिक समापन अवधारणा पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दीहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यतः व युवाओं का बहुत बहुत का ध्यान दिया। सत्र का मंचलालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आर.एम. खेंचाल ने किया।

बैंकल एक प्रतिशत रोगी ही होते हैं गंभीर : डॉ. नरेंद्र गुप्ता

बैंकल में मनोविज्ञानीक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बताए मुख्य बहता कहा

कि बैंकल एक प्रतिशत लोग ही बोरेना के नंभीर रोगी होते हैं। अल्पतर लोग बैंकल और मानसिक स्वयं से मजबूत न होने के कारण अधिक जिक्र होते हैं। मानसिक स्वयं से कमजोर और बैंकल से मनुष्य की देख प्रतिबोधक शमता कम होती है। इसीलिए मनुष्य को खान-पान का विशेष ध्यान लोग, मेडिटेशन, परिजनों से बीड़ियो-आईडियो कॉल करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक गुणों नहीं देखनी चाहिए। इसीके सकारात्मक समाचार जैसे अंतर्राष्ट्रीय की उपलब्धता, वैद्य उत्तर की खोज, बैंक की उपलब्धता, जिसी व्यक्ति द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयत्न अटिटूड की जानकारी बहरी है जिसमें उपलब्ध हीमता बना रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की मरहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर समय हॉस्पिटर मरीजों की संख्या के लिए उपलब्ध रहते हैं। हर खासी-जुकाम बोरेना नहीं होता, इसीलिए डॉक्टरों से परामर्श करते रहें और बैंकल नहीं। सत्र के दैरेन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कोरेशों को लेकर हँकाओं को दर्शाया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, निदेशक एवं विभागीय, बजंचरी य विद्यार्थी जुड़े हुए थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम भारत सारथी

दिनांक पृष्ठ संख्या

कांडम

10.05.2021

10

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं
: प्रोफेसर डी.आर. काम्बोज

© May 10, 2011. © [ibm.com](http://www.IBM.com). All rights reserved. IBM, the IBM logo, ibm.com, and Rational are trademarks of International Business Machines Corporation.



प्राप्ति के लिए अपनी जलवायिका विधि का अधिकारी भी नहीं है।

प्रिया - १० अप्रृ - बोलने वाली कैप्टन अपनी से जड़ते हुए उसकी ओर दूर आवाज़ी की तरफ चढ़ती रही। अपनी गुणी और अचूक भवित्वों की ओर आना शुरू हो गया था। अपनी इन गुणों की ओर आना एक अद्भुत अनुभव था। अब विनोद-विनोद ने उसे एक झटके से बचाया। उसके बाद उसने अपनी गुणों की ओर आना अनुभव करना शुरू किया। विनोद ने अपना हाथ उठाकर अपनी गुणों की ओर आना अनुभव करने के लिए उपर्युक्त विवरण दिये। उसने अपनी गुणों की ओर आना अनुभव करने के लिए उपर्युक्त विवरण दिये। उसने अपनी गुणों की ओर आना अनुभव करने के लिए उपर्युक्त विवरण दिये।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	09.05.2021	--	--

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं- प्रो. बी.आर. काम्बोज



पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 मई : कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बचाव शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से

आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उलासी, बोरियत, निराशा एवं चिह्निचिह्नापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार

की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं निकट सम-संबंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर बिलकुल ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनका हौसला अफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दवाई को विकसित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ विकासक अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों,

मुख्यातिथि व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। सत्र का संचालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आर.एस. बेनोवाल ने किया। कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर समय डॉक्टर मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहते हैं। हर खांसी-जुकाम कोरोना नहीं होता, इसलिए डॉक्टरों से परामर्श करते हुए और घबराएं नहीं। सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कोरोना को लेकर शक्तियों को दूर किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, कर्मचारी व विद्यार्थी जुड़े हुए थे।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिंदुस्तान समाचार एजेंसी	09.05.2021	--	--



—गवाहाच ने 'जीवित' के समक्ष सर्वाधीनी महादीप्ति विभास पर अधिकारित कर लिया।

किंतु, 10 मई (प्रा. ३) को लोटी तीव्र बैंगन झार्हाएँ तो वर्षा के लिए इसे बताया गया तथा इस बतायिले ही की बात बाहरिक ही को बताया गया बतायिले ही का असर आया। अब यह दूसरी बात भी बताया जाना चाहिए कि वर्षा की बात बाहरिक ही को बताया गया तो वर्षा लिया जा सकता है।

यह बात यहाँ के दूरविषयक वृक्ष विवरणिकाल में सुनिश्चित की जाता है औ इसमें से एक विवरणिकाल में यह वास्तविक विवरणिकाल की तारीख अंतर्गत वर्णन किया गया है।

जब का न्युज़ विषय 'पोलिंग' के तहत अमरीका की स्वतंत्रताप्रति रुचि गया। न्युज़ अट्रिमन ने कहा कि अमरीका एवं संसदितावाले हैं जिन्हें दूसरों के साथ सहायता करने के लिए अपनी भावनाएँ बढ़ाव देती हैं। इसी दृष्टि से विषय का अध्याय बनाया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पल—पल न्यूज

दिनांक

10.05.2021

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएः प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज़: हिसार, 10 मई।
कोरोना जैसी वैधिक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर डॉ आर काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशक की छात्र काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बताए मुख्यालिख बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति



रखा गया। मुख्यालिख ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में लनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिढ़िचड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना

मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए खानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं, निकट समें-समेंघियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर फिलकुल ध्यान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल चाल जानते हुए लगातार फोन के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनका हीमला

अफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं जिन्होंने इस समय कोरोना की दबाई को विकसित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों को ज्ञान से ज्ञान जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभारंभ अवसर पर विरष्ट चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यालिख व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। सत्र का संचालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आर.एस. बेनीवाल ने किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम एचआर ब्रेकिंग

दिनांक
१५०८२०१४

10.05.2021

कॉलम

- 2 -

कोरोना से बचाव के लिए रारीरिक दूरी बढ़ाएं सामाजिक दूरी घटाएं : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

पृष्ठाम् चैकियं च्युतं

हिंसकर कोठेरे जैसे लेखिक प्रबन्धालयों में बनने के लिए हमें सामाजिक संस्कृति और सामाजिक दृष्टि की भवानी गार्डेन की दृष्टि का ध्यान होता है। सामाजिक दृष्टि का कम कर हम अपने जीवितों व निकटतम के सभी विषय-विषयों का मन को समृद्धन दे सकते हैं तथा सामाजिक दृष्टि को बढ़ावार करके उसे समाज विकास की दृष्टि है।



प्रोफेसर जी अट्ट कलालैन ने कहा है कि विश्वविद्यालय में बाहर कल्याण विद्यालय की ओर बढ़ती तरीका एवं विद्यार्थी बनने की ओर से अवैज्ञानिक अविद्यालय बढ़ती रही है जबकि इसमें बढ़ती रही है। भारत का मुख्य विद्यालय को सम्पर्क की मनोविज्ञानी रुख गया। मुख्यविज्ञानी ने काम किया इस विद्यालय की सम्पर्क में मुख्यतः उच्चाध्यार्थी, छांतीकाल, विद्यार्थी एवं विद्यालय उच्चाध्यार्थी रुख है। विद्यार्थी एक विद्यालय

जटांसिनि स्वर के दीपन संवेदित करने मुख्य अतीव प्रोफेसर वी.प्रा. अम्बेज एवं अन्य। यहाँ है जिसे दूरी के बग्बग्बत करने के लिए चुनकर्ता अवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि एस करने में असरही होते हैं। एस कुछ नामांकन प्रयोग पढ़ सकते हैं। ऐसे सभी तरफ अकेले रहना बहुत शक्त है और अतीव रिक्षी के लिए दृष्टिकोण है। इसलिए हमें केवल तरब रखना और सभी विद्युतों का प्रयोग करते हुए सभा, विद्युत विभागीय और अपने लोकों को सुनिश्चित रखना है। अकालीन पर विद्युत ध्वनि न दे। सभा की विद्युत लकड़ियाँ से उमड़ा हाथ छान उठने हुए लोगों पर विद्युत के प्रभाव से सरके बनने रहे और उनका दीर्घ समय अवश्यक करते रहना चाहिए; कुछविंश ये हुए मुख्य विद्युत की विद्युत करते हुए कहा कि यह बहुत ही गंभीर और

काल्पनिक ये अवैज्ञानिक ही नहीं पूरा ने वहीं मुख्य बात कहा कि किसी एक विद्युत सेवा ही विद्युत के रूपों से दो होते हैं। विद्युत सेवा विद्युत और वायरल या से विद्युत व सेवा के बाबत अधिक विवाद होते हैं। विद्युत हाथ से कमज़ोर होती

जन एक प्रतिरक्षा सेवी ही हैं गंगीर - डॉ. नरेंद्र गुप्ता

व्यापार के बहुमूल्क की दृष्टि अधिकारक भवति कर सकते हैं। इसके बायु को यात्रा-यात्रा का विशेष ध्यान, जेन, मॉडेलेशन, और उनसे संबंधित-अधिकारी का विशेष ध्यान एवं उनके लक्षण का विशेष ध्यान आवश्यक होते हैं। यात्रा-यात्रा की उत्तमता, वह की दृष्टि से विशेष, इसकी व्यापार की सामाजिक व्यापार की उत्तमता, वह यात्रा की दृष्टि, ऐसे की उत्तमता, जिसे व्यापार इन विशेष या व्यापार अधिकारी जानते हैं जिसमें इसका दैवतीक रूप है। उन्होंने विशेषजटतापूर्ण व्यापार की सामाजिक कल्पना की दृष्टि का विशेष उत्तमता है। इस गंगीर-गुप्ता की दृष्टि, इसीलिए दौड़ती ही व्यापार करने वाले व्यापारी की दृष्टि, जिसमें व्यापारियों ने अपनी कोरोना का संकेत लक्षितों की दृष्टि, व्यापार में विशेषजटतापूर्ण के मध्य अधिकारी, विशेष एवं विशेषजट, कर्मचारी व विशेषजट तुम्हें हैं।

र्व की जात है कि ये इसी शिरोविद्यालयमें किसीकी नहीं है जिसमें इस समय भीतरी ही दायरा में किसीका नहीं है। उन्होंने कहा कि एहुएँ में लगभग ऐसीकीदान का अवधारणा जारी है और इसके प्रति लोगों को बहुत में लगभग जानकार किया जा रहा है।

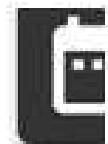


चौधरी चरण सिंह हरियाणा किशोर विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	फॉलम
पंजाब केसरी	10.05.2021	-	-

पंजाब केसरी

6/12



कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : बी.आर. काम्बोज

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसिलिंग एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मुख्यातिथि ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिढ़चिड़ापन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
समस्त हरियाणा

दिनांक

09.05.2021

पृष्ठ संख्या

कॉलम

समस्त हरियाणा

सोमवार, 10 मई, 2021

कोरोना को हराने के लिए सामाजिक दूरी की बजाय शारीरिक दूरी बढ़ाएँ : प्रौ. काम्होज

हकूमि में कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति विषय पर काउंसलिंग आयोजित

समस्त हरियाणा व्यूज

हिसार। कोरोना वैरो पैरिटक मनोस्थानी से बचने के लिए हमें मानवता की रुपैये सामाजिक दूरी और व्यापक जारीरिक दूरी को बहाना होता। सामाजिक दूरी कम करे हम अपने परिवर्तनों व नियमों के माध्यम से जीवन-विषय-विषयों का भूल कर सकते हैं तथा सारीरिक दूरी फौटो चालाकर कोरोना से बचाना किया जा सकता है। वे विषय जीवरी घटन में हरीकाना व्यूज विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर डी.आर. बहर्वाहा के बताए। वे विश्वविद्यालय में छात्र विषयों नियोजन को सुना बहर्वाहा की ओर से अधिक व्यूज करने की ओर से आयोजित अंतिमाइन काउंसलिंग सत्र में बहरी मुख्यालयी बोल रहे थे। सत्र का युक्त विषय कोविड के साथ हमनुष्य की मनोस्थिति रखा गया।

मुख्यालयी ने कहा कि हमें मानवता के समय में दूरी की जारी, उत्तमी, वीरियत, नियम एवं विश्वविद्यालय उपर्युक्त हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूरी के माध्यम सामाजिक करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में अपनाएँ होने पर बहुल नियमों का प्रधान पक्ष सहाते हैं। तब स्वयं सक अकेला रहना मनोस्थानिक एवं जारीरिक विषय

मानसिक रूप से कमजोर और घबराहट से मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है कम : डॉ. नरेन्द्र गुप्ता

कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेन्द्र गुप्ता ने बताया यहां कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गभीर रोगी होते हैं। न्यायालय लोग घबराहट और मनोस्थानिक रूप से मनोस्थूल न होने के कारण अधिक लिकाय होते हैं। मानसिक सत्र में बहर्वाहा और घबराहट से मनुष्य की रोग बोले, केवल एक प्रतिशत लम्बता जन्म होती है। इसलिए मनुष्य को ज्ञान-यात्रा का विशेष व्याप, योग, योगित्व, परिवर्तनों में शोषितो-आशितो बनाते हुए शैक्षण्य रखना चाहिए और नियमों का उपयोग नहीं देखना चाहिए। हालांकि रोगी होते हैं गंभीर व्योग, योग की उपलब्धता, किसी अधिक दूरा किए गए, अक्षयकाल गंभीर व्याप अवधि की जानकारी जरूरी है जिससे उपकार लाभान्वयन करना सही। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रश्नालय की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर वर्ष एक नियम भारीओं की सेवा के लिए नियमज्ञ रहते हैं। हर वर्षीय ज्ञानकारी कोरोना नहीं होता, इसलिए डॉक्टरों में प्रश्नाओं करते रहें और घबराहट नहीं। सत्र के दौरान उपनीजीका व्यायाम भी ज्ञान गणना का, विषय प्रतिभावितों के अपनी कोरोना की सेवा लाभान्वयन करने के लिए।

एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी

बहर्वाहा ने डॉ. सधीर चाटना की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही बड़े बड़े हरे की बहत है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हों हैं उन्होंने इस समय कोरोना को बढ़ावा देने को विकासित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसका प्रति सौंदर्य भी न्याया से न्याया आगमन किया जा रहा है। सत्र के सुन्दरीय अवसर पर विषय विभागों ने अधिकारी डॉ. प्रोति नियमित ने सभी को स्वास्थ्य किया जबकि सभानम अवसर पर विषय काल्पनिक नियोजन का दैरेंद्र मिह डॉहोया ने प्रतिभावित, मुख्यालयी व युवा वक्ता वाले अन्यवासी किया। सत्र का संचालन साझाकार छात्र विषयों ने अपने एवं बैठकाल ने किया।

के लिए हाईनिकारक है। युवाओंने हमें कहे वह राज्य सर्व, नियम भरी-वार्षिकीयों और अपने परिवार साथगत को सभी विद्यार्थी को प्राप्त करते हुए को सुनिश्चित रखता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	09.05.2021	--	--

केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं: डॉ. नरेंद्र गुप्ता

हिसार/10 मई/रिपोर्टर

कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी को बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार धौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर और आरकाम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसिलिंग एवं प्लेसटमैट सैल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बतौर मुख्यालिंग चोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य को मनोस्थिति रखा गया। मुख्यालिंग ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, औरियत, निराशा

एवं चिड़चिड़ापन उत्पन हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बूनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा काने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अकेला रहना मानसिक एवं शारीरिक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का पालन करते हुए स्वयं निकट सम्बंधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है। अफवाहों पर चिलकुल झान न दें। साथ ही संक्रमित व्यक्ति से उनका हाल चाल जानते हुए सावधानी के माध्यम से संपर्क बनाए रखें और उनका हीसला अफजाई करते रहना चाहिए। कुलपति ने डॉ. सुधीर चांदना को सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व और हर्ष की बात है कि वे इसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हों हैं जिन्होंने इस

समय कोरोना की दबाई को प्रतिसित किया है। उन्होंने कहा कि एचएयू में लगातार वैक्सीनेशन का कार्य जारी है और इसके प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा रहा है। सत्र के शुभरंभ अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने सभी का स्वागत किया जबकि समापन अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने प्रतिभागियों, मुख्यालिंग व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। सत्र का संचालन सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. आरएम बेनीवाल ने किया। कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डॉ. नरेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग ही कोरोना के गंभीर रोगी होते हैं। ज्यादातर लोग घबराहट और मानसिक रूप से मजबूत न होने के कारण अधिक शिकार होते हैं। मानसिक रूप से कमज़ोर और घबराहट से मनुष्य की रोग

प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। इसलिए मनुष्य को खान-पान का विशेष ध्यान, योग, मेडिटेशन, परिजनों से औडियो-आौडियो कॉल करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक खबरें नहीं देखनी चाहिए। हालांकि सकारात्मक समाचार जैसे ऑक्सीजन की उपलब्धता, नई दबाई की खोज, बैड की उपलब्धता, किसी व्यक्ति द्वारा किए गए सकारात्मक प्रयास आदि को जानकारी जरूरी है जिससे उसका हीसला बना रहे। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में हर समय डॉक्टर भरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहते हैं। हर खांसी-जुकाम कोरोना नहीं होता, इसलिए डॉक्टरों से परामर्श करते रहें और घबराएं नहीं। सत्र के दौरान प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी रखा गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी कोरोना को लेकर शंकाओं को दूर किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
सिटी पल्स न्यूज

दिनांक
09.05.2021

पृष्ठ संख्या
--

कॉलम
--

हरियाणा कृषि विवि में कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति विषय पर काउंसलिंग सत्र आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। कार्यालय जैसी कैरिकॉफ महामारी से बचने के लिए इसे सामाजिक दूरी को बाहर बाहरीक दूरी को बढ़ाना होता। सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिवर्तन विश्वविद्यालय के साथ विचार-विमर्श कर मन के मुकुल दे सकते हैं तब भी सामाजिक दूरी को बढ़ावार करेना से बचत किया जा सकता है। वे विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिमाय के कृतकारी और और आर. कार्यालय ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशकालय की ओर काउंसलिंग एवं ज्ञानमंड़ सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र में बोर्ड मुख्यमंत्री बोले थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड के समय मनुष्य को मनोस्थिति रुक्क गवा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बेहिरासा, निराश एवं विद्युतिकृष्णन उत्पन्न हो रहा है। मनुष्य एक समाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बाहरीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नहारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। लंबे समय तक अफिल रुक्न मनोस्थिति एवं बाहरीक स्थिति के लिए हानिकारक है। इसलिए हमें केंद्र व राज्य सरकार की सभी हितानों का पालन करते हुए,



हिसार। काउंसलिंग सत्र के दीर्घ संबोधित करते देखा जा रहा। आर. कार्यालय एवं अन्य।

सत्र, निकट समें-सम्बोधियों और अपने परिवार को सुरक्षित रखना है।

सत्र के शुभारंभ अवसर पर विषय विकास अधिकारी तथा श्रीति मर्लिक ने सभी का स्वागत किया। उन्हें समाजन अवसर पर जात्र कल्याण निदेशक तथा एवं दिल्ली सिंह दीक्षिया ने प्रतिभावित, मुख्यमंत्री व मुख्य वक्ता का

धन्यवाद किया। काउंसलिंग में बाहरीक सक दूरी निर्देश द्वारा निर्धारित लोग ही कोरोना के निपोर रेती होते हैं। जहांपर लोग चबूतरे और मानोस्थक समय में बच्चा न होने के कारण अधिक लिंगार होते हैं। मानोस्थक कान से बाहर और घबराहट से मनुष्य की गंभीर प्रतिरोधक क्षमता कम होती

है। इसलिए मनुष्य को ग्राम-पान का विषय छहन, योग, मेडिटेशन, परिवर्तन से बोहियो-भौतिक बोलन करते हुए संपर्क रखना चाहिए और नकारात्मक गवारे नहीं देखनी चाहिए। काउंसलिंग में विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक एवं विभागालय, कर्मचारी व विद्यार्थी जुड़े हुए थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कला विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डेलो डिसार	10.05.2021	--	--

कोरोना से बचाव के लिए शारीरिक दूरी बढ़ाएं, सामाजिक दूरी घटाएं : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से बचने के लिए हमें सावधानी रखते हुए सामाजिक दूरी को बजाय शारीरिक दूरी को बढ़ाना होगा।

सामाजिक दूरी कम कर हम अपने परिजनों व निकटतम

के साथ विचार-विमर्श कर मन को सकून दे सकते हैं तथा शारीरिक दूरी को बढ़ाकर कोरोना से बचाव किया जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की छात्र काउंसिलिंग

एवं प्लेसटमेंट सेल की ओर से आयोजित ऑनलाइन काउंसिलिंग सत्र में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। सत्र का मुख्य विषय कोविड

के समय मनुष्य की मनोस्थिति रखा गया। मुख्यातिथि

एचएयू में कोविड के समय मनुष्य की मनोस्थिति विषय पर काउंसिलिंग सत्र आयोजित

ने कहा कि इस महामारी के समय में मनुष्यों में तनाव, उदासी, बोरियत, निराशा एवं चिढ़चिढ़ापन उत्पन हो रहा है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसे दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए बुनियादी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने में असमर्थ होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।